ऑटो बाजार में त्योहारों की रफ्तार कंपनियों की बिक्री ने तोड़े रिकॉर्ड

- त्योहारों से पहले बढ़ी वाहनों की खरीदारी
- कार, एसयूवी और दोपहिया की मांग में उछाल

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली , 02 सितंबर त्योहारों की आहट के साथ ऑटो बाजार में रौनक लौट आई है. अगस्त में वाहनों की बिक्री के जो आंकड़े सामने आए हैं, उन्होंने कंपनियों से लेकर डीलरों तक को उम्मीद से ज्यादा उत्साहित कर दिया है. त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले ही ग्राहकों ने नई कार, एसयूवी, दोपहिया और अन्य वाहनों की खरीदारी तेज कर दी है.

यही वजह है कि देश की प्रमुख ऑटो कंपनियों ने अगस्त में बिक्री के मोर्चे पर मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है. कई कंपनियों के लिए यह महीना बीते साल की तुलना में बेहतर रहा, जबकि कुछ ने अपने बिक्री रिकॉर्ड के करीब पहुंचने या उन्हें पीछे छोड़ने में सफलता हासिल की. बाजार के जानकार इसे आने वाले त्योहारी महीनों के लिए सकारात्मक संकेत मान रहे हैं.

अगस्त के आंकड़े यह भी बताते हैं कि वाहन खरीदने को लेकर उपभोक्ताओं का भरोसा मजबूत हो रहा है. बेहतर मानसून, ग्रामीण और शहरी मांग में सुधार, नए मॉडलों की लगातार लॉन्चिंग और त्योहारी ऑफरों ने बाजार को सहारा दिया है.

मारुति सुजुकी- देश की प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया की अगस्त में कुल बिक्री सालाना आधार पर 21.3 प्रतिशत बढ़कर 2,19,220 इकाई हो गई. पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने 1,80,683 वाहन बेथे थे. पिछले महीने उसकी यात्री वाहनों की कुल घरेलू बिक्री 34.8 प्रतिशत बढ़कर 1,76,971 यह 1.31,278 इकाई थी.

टाटा मोटर्स- टाटा मोटर्स पैसेंजर वीकल्स लिमिटेड की अगस्त में कुल बिक्री सालाना आधार पर 56 प्रतिशत बढ़कर 67,753 इकाई हो गई, कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 43,315 वाहन बेचे थे. टाटा मोटर्स पैसेजर श्रीकल्स लिमिटेड ने बयान में कहा कि अगस्त में में यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री 59 प्रतिशत बढ़कर 65,253 इकाई हो गई जबकि अगस्त, 2025 में 41,001 इकाई थी.

हुंडई मोटर- हुडई मोटर इंडिया लिमिटेड की अगस्त में कुल बिक्री 8.8 प्रतिशत बढ़कर 65,796 इकाई हो गई. अगस्त में घरेलू बिक्री 23.6 प्रतिशत बढ़ ?कर 54,396 इकाई रही, जबकि निर्यात 11,400 इकाई रहा, वित्त वर्ष 2026-27 में वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है.

एमजी मोटर- वाहन विनिर्माता कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की अगस्त में थोक बिक्री सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 7,508 इकाई हो गई. जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने अगस्त 2025 में 6,578 वाहनों की बिक्री की बिक्री की थी. समीक्षाधीन महीने में उसके आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) और नए ऊर्जा वाहन (एनईवी) दोनों खंडों में बिक्री की गति मजबूत बनी रही, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने पिछले महीने एमजी हेक्टर टॉमहॉक ईवी पेश की थी.

बजाज ऑटो

बजाज ऑटो की अगस्त में कुल बिक्री सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 5 .35,764 इकाई हो गई . अगस्त 2025 में उसने 4,17,616 वाहन बेचे थे . पिछले महीने उसकी कुल घरेलू बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 2,55,708 इकाई हो गई जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 2,32,398 इकाई थी . घरेलू बाजार में दोपहिया वाहनों की बिक्री अगस्त 2025 की 1,84,109 इकाइयों से 10 प्रतिशत बढ़कर पिछले महीने 2,01,898 इकाई हो

आधार में जन्मतिथि बदलना आसान नहीं, जानें नियम

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली , 02 सितंबर आधार कार्ड में जन्मतिथि गलत दर्ज होने पर उसे अपडेट कराया जा सकता है, लेकिन दूसरी या उसके बाद जन्मतिथि बदलने का अनुरोध सामान्य अपडेट प्रक्रिया से अलग माना जाता है.

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के नियमों के मुताबिक ऐसे मामलों में अतिरिक्त जांच की जा सकती है और मजबूत दस्तावेज मांगे जा सकते हैं. खासतौर पर जन्म प्रमाण पत्र को महत्वपूर्ण प्रमाण माना जाता है.

जन्म प्रमाण पत्र में गलती है तो पहले उसे सुधारें- अगर आधार में पहले जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर जन्मतिथि दर्ज की गई थी और बाद में प्रमाण पत्र में ही गलती सामने आती है, तो पहले जन्म पंजीकरण रिकॉर्ड में सुधार कराना होगा.

आधार सेंटर की गलती पर अलग प्रक्रिया- अगर व्यक्ति ने आधार बनवाते समय सही दस्तावेज दिया था, लेकिन ऑपरेटर ने गलती से गलत जन्मतिथि दर्ज कर दी, तो मामला अलग तरीके से देखा जा सकता है. जमा किए गए मूल दस्तावेजों की जांच के बाद यदि यह साबित होता है कि गलती आधार केंद्र पर हुई थी, तो नियमों के अनुसार सुधार की प्रक्रिया अपनाई जा सकती है.

यूपीआई लेनदेन ने अगस्त में बनाया रिकॉर्ड

- अगस्त में यूपीआई से 2,451 करोड़ लेनदेन
- उज्बेकिस्तान समेत 11 देशों में पहुंचा यूपीआई

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली , 02 सितंबर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस के जरिये अगस्त 2026 में लेनदेन की संख्या ने नया रिकॉर्ड बनाया. भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में यूपीआई से 2,451 करोड़ लेनदेन हुए, जबकि इनका कुल मूल्य 29.82 लाख करोड़ रुपये रहा. लेनदेन का मूल्य मई और जुलाई में दर्ज 29.90 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड के बेहद करीब रहा.

अगस्त में यूपीआई लेनदेन की संख्या जुलाई के 2,366 करोड़ के मुकाबले करीब 3.6 प्रतिशत अधिक रही. जून में 2,272 करोड़ और मई में 2,320 करोड़ लेनदेन हुए थे. इस तरह अगस्त में यूपीआई ने लेनदेन की संख्या के मामले में अब तक का सर्वाधिक मासिक आंकड़ा दर्ज किया.

सालाना आधार पर 20% बढ़ा लेनदेन मूल्य- अगस्त 2025 में यूपीआई के जरिये 1,963 करोड़ लेनदेन हुए थे, जिनका कुल मूल्य करीब 24.85 लाख करोड़ रुपये था. अगस्त 2026 में लेनदेन की संख्या बढ़कर 2,451 करोड़ और मूल्य 29.82 लाख करोड़ रुपये हो गया. यानी सालाना आधार पर लेनदेन की संख्या में करीब 22 प्रतिशत, जबकि कुल मूल्य में करीब 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई.

अगस्त में रक्षाबंधन जैसे त्योहारों के कारण व्यक्ति-से-व्यक्ति धन हस्तांतरण और उपहार संबंधी भुगतान में तेजी आने को यूपीआई लेनदेन बढ़ने की प्रमुख वजह माना जा रहा है.

नकद लेनदेन हुआ कम

एनपीसीआई भारत में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणालियों के संचालन का प्रमुख संगठन है. यूपीआई का इस्तेमाल लोगों के बीच धन हस्तांतरण और खरीदारी के दौरान व्यापारियों को वास्तविक समय में भुगतान करने के लिए किया जाता है. इसकी अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता भी लगातार बढ़ रही है. उज्बेकिस्तान के शामिल होने के साथ यूपीआई अब 11 देशों में स्वीकार किया जा रहा है.

महिलाओं की आर्थिक यात्रा को मिलेगा सहारा

महिलाओं के लिए डिज़ाइन किया गया एक व्यापक सुरक्षा समाधान

महिलाओं के लिए प्रीमियम पर 15% की लाइफटाइम छूट

ICICI PRUDENTIAL LIFE INSURANCE
Ke Saath Zimmedari Lagey Pyaari
Trusted by over 20 crore Indians in 25 YEARS

नवभारत न्यूज

भोपाल , 02 सितंबर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट हर लॉन्च किया है. यह खासतौर पर महिलाओं के लिए तैयार किया गया एक कॉम्प्रिहेंसिव टर्म प्लान है.

इस प्लान को लाइफ इंश्योरेंस के साथ हेल्थ और वेलनेस फायदों को जोड़कर महिलाओं की बदलती सुरक्षा और स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है. आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट हर महिलाओं के जीवन के अहम् पड़ावों पर उन्हें मज़बूत और सुरक्षित बनाने के लिए कई खास सुविधाएँ प्रदान करता है. इसमें 15% लाइफटाइम प्रीमियम डिस्काउंट, महिला-विशेष हेल्थ मैनेजमेंट और वेलनेस सेवाएँ और प्रेग्नेंसी ब्रेक फीचर जैसी सुविधाएँ शामिल हैं, जिससे महिलाएँ प्रेग्नेंसी के दौरान अपनी प्रीमियम किश्तों को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकती हैं. इसके अलावा, यह प्लान चाइल्ड एजुकेशन केयर भी प्रदान करता है, जिसमें 10 साल तक हर साल बढ़कर मिलने वाली इनकम का लाभ मिलता है.

इस लॉन्च के बारे में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर, श्री विकास गुप्ता ने कहा, 'भारतीय महिलाएँ कई भूमिकाएँ निभाती हैं . इस वजह से उनकी वित्तीय योजना की जरूरतें अलग होती हैं और जीवन के अलग-अलग चरणों में बदलती रहती हैं . आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट हर को व्यापक सुरक्षा देने के साथ ही उनकी अनोखी स्वास्थ्य और वेलनेस जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है . लाइफ इंश्योरेंस के साथ प्रेग्नेंसी ब्रेक और लाइफटाइम डिस्काउंट जैसी सुविधाओं को जोड़कर हम एक ऐसा समाधान दे रहे हैं, जो महिलाओं को उनके वित्तीय भविष्य और सेहत दोनों को सुरक्षित रखने में मदद करता है .'

टाटा एआईजी ने मप्र में पार किया 25,000 पॉलिसियों का आंकड़ा

नवभारत, जबलपुर। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2025-26 में मध्य प्रदेश में 25,000 एसएमई बीमा पॉलिसियां जारी करने का आंकड़ा पार कर लिया है, जिसमें भोपाल का योगदान सबसे अधिक रहा। राज्य के एमएसएमई क्षेत्र में कंपनी की बढ़ती पहुंच को दर्शाते हुए कंपनी का फोकस भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन, धार और सिंगरौली जैसे प्रमुख औद्योगिक केंद्रों पर है। मध्य प्रदेश में करीब 56.5 लाख एमएसएमई हैं, जिनमें 26.5 लाख उद्यम के तहत पंजीकृत हैं, जबकि 6.1 लाख जीएसटी के तहत पंजीकृत हैं और ये कारोबार करीब 1.25 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस में एमएसएमई प्रोडक्ट्स के प्रमुख प्रणय शाह ने कहा कि भारत की एमएसएमई विकास यात्रा में मध्य प्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका है और राज्य में मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग, कृषि से जुड़े कारोबार, शिक्षा, टेक्नोलॉजी और अन्य क्षेत्रों में बड़ी संख्या में विविध प्रकार के उद्यम हैं।

देशभर में टाटा एआईजी के एमएसएमई कारोबार ने वित्त वर्ष 2025-26 में 1,450 करोड़ के ग्रॉस रिटन प्रीमियम (जीडब्ल्यूपी) का आंकड़ा पार कर लिया है, जिसके तहत कंपनी ने पूरे देश में 7.5 लाख से अधिक एमएसएमई पॉलिसियां जारी की हैं। इसके अलावा, कंपनी के कमर्शियल लाइंस कारोबार के तहत वर्कर्स' कॉम्पेंसेशन और ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस के जरिए 20 लाख से अधिक लोगों को बीमा कवर मिला।

भोपाल शोरूम से नोल्टे कुचेन की पहुँच बढ़ी

नवभारत न्यूज

भोपाल , 02 सितंबर अगस्त जर्मनी के प्रमुख किचन ब्रांड्स में शामिल, नोल्टे कुचेन ने भारत में अपनी पहुँच बढ़ाते हुए, भोपाल में नया शोरूम शुरू किया है. नोल्टे कुचेन अपने सटीक काम, नए डिजाइन और बेहतरीन क्वालिटी के लिए जाना जाता है.

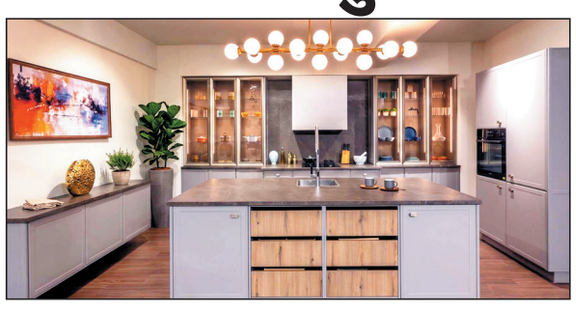

ड्रीम किचन्स के साथ साझेदारी में शुरू किया गया यह शोरूम मध्य भारत के तेजी से बढ़ते घर और कारोबार से जुड़े बाजार में नोल्टे की पहुँच को और अधिक बढ़ाएगा. यहाँ घर मालिकों, आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनर्स और प्रॉपर्टी डेवलपर्स को नोल्टे के प्रीमियम जर्मन किचन देखने और उनके बारे में जानने का मौका मिलेगा.

शोरूम में नोल्टे के कई खास किचन डिजाइन पेश किए गए हैं. इनमें किचन को ज्यादा सुविधाजनक बनाने, बेहतर डिजाइन और सामान रखने के लिए सही जगह का खास ध्यान रखा गया है. विज़िटर्स नोल्टे के किचन की बेहतर बनावट, अच्छी क्वालिटी वाले मटेरियल्स और नए फीचर्स को करीब से देख सकेंगे, जिनके लिए नोल्टे दुनियाभर में जाना जाता है.

सेल्वा कुमार राजुलु, मैनेजिंग डायरेक्टर और वाइस प्रेसिडेंट, नोल्टे मिडिल ईस्ट, एशिया और अफ्रीका, ने कहा, 'भोपाल में नया शोरूम शुरू करना भारत में नोल्टे की बढ़ती पहुँच की दिशा में एक और अहम् कदम है. आज लोग अपने घरों में अच्छे डिजाइन और बेहतर क्वालिटी को ज्यादा महत्व दे रहे हैं.

दीपा ज्वैलर्स आईपीओ में कमाई का मौका

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली , 02 सितंबर बी2बी गोल्ड ज्वैलरी कारोबार से जुड़ी दीपा ज्वैलर्स का आईपीओ निवेशकों के बीच चर्चा में है. एक सितंबर को खुला यह इश्यू 3 सितंबर को बंद होगा. आईपीओ खुलने के पहले ही दिन रिटेल निवेशकों का कोटा पूरी तरह भर गया. वहीं, ग्रे मार्केट में भी कंपनी के शेयरों को मजबूत प्रतिक्रिया मिल रही है और शेयर करीब 22 प्रतिशत प्रीमियम पर कारोबार कर रहे हैं.कंपनी आईपीओ के जरिए करीब 459.72 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है.

जीएसटी से भरा सरकार का खजाना

लगातार तीसरे महीने दोहरे अंक में बढ़ा राजस्व, आयात से टैक्स में 29% का उछाल

नवभारत न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली , 02 सितंबर अगस्त महीने में देश के जीएसटी संग्रह में जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है. सरकार की ओर से 1 सितंबर को जारी आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त 2026 में सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 1.99 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया.

पिछले साल अगस्त में जीएसटी संग्रह 1.74 लाख करोड़ रुपये रहा था. यह लगातार तीसरा महीना है, जब जीएसटी राजस्व में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई है. जून में 13.9 प्रतिशत और जुलाई में 15.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी.

आयात से टैक्स कलेक्शन में 29% का उछाल- जीएसटी संग्रह में तेजी की सबसे बड़ी वजह आयात से मिलने वाले कर राजस्व में हुई बढ़ोतरी रही. अगस्त में आयात से मिलने वाला सकल जीएसटी राजस्व 29 प्रतिशत बढ़कर 62,604 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल इसी अवधि में 48,546 करोड़ रुपये था. वहीं, घरेलू लेनदेन से मिलने वाला जीएसटी राजस्व 9.3 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.37 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 1.26 लाख करोड़ रुपये था.

जीएसटी संग्रह के आंकड़े बताते हैं कि कर राजस्व में लगातार मजबूती बनी हुई है.

समाचार विशेष

निर्दलीय बिगाड़ेंगे बीजेपी-कांग्रेस का गणित

जयपुर नगर निगम चुनाव : चौंकाने वाले आंकड़े आए सामने

जयपुर, 2 सितंबर. जयपुर नगर निगम चुनाव में प्रत्याशियों की तस्वीर साफ होने के बाद भाजपा और कांग्रेस दोनों की सकते में आ गई. पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने जिला स्तर पर गहन छानबीन कर प्रत्याशियों के नाम तय किए लेकिन जिन नेताओं को टिकट नहीं मिला. उन्होंने बागी होकर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में ताल ठोक दी.

बता दें कि 1253 प्रत्याशियों में से 953 प्रत्याशी निर्दलीय ताल ठोक रहे हैं. बागियों को बैठाना दोनों दलों के लिए पहाड़ उठाने जैसा काम है. हालांकि बीजेपी ने डैमेज कंट्रोल के लिए अलग से टीम का गठन किया है जो मान मनुहार में जुट गई है.

जयपुर नगर निगम में कुल 150 वार्ड हैं. भाजपा और कांग्रेस सहित अन्य दलों के प्रत्याशियों के अलावा बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे हैं. हालांकि ज्यादातर प्रत्याशी महज औपचारिकता के रूप से मैदान में हैं लेकिन कई वार्डों में ऐसे निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनाव मैदान में हैं जो पिछले कई वर्षों से बीजेपी और कांग्रेस में सक्रिय रहे हैं. जब टिकट नहीं मिला तो उन्होंने बागी के रूप चुनाव मैदान में उतर गए, अब वोटों का बंटवारा होना तय है. वोटों के बंटवारे से भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों को सीधा नुकसान होने वाला है.

कई जगह चुनौती बने बागी

एक ही वार्ड में 13 निर्दलीय - जयपुर शहर की आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 17 में निर्दलीय प्रत्याशियों की संख्या 13 है . इनमें से आधा दर्जन से ज्यादा उम्मीदवार वे हैं जो कांग्रेस और बीजेपी से टिकट की दावेदारी पेश कर रहे थे . टिकट नहीं मिलने पर वे निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में कूद गए . वार्ड नंबर 130 में दोनों दलों को चुनौती- जयपुर नगर निगम के वार्ड संख्या 130 में कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही दलों के बागी चुनाव मैदान में हैं . कांग्रेस से टिकट मांगने वाले जितेंद्र सिंह जादौन और पारस मीणा ने नामांकन दाखिल किया है . उधर भाजपा की ओर से टिकट नहीं दिए जाने से सुभाष शर्मा भी चुनाव मैदान में उतर गए हैं .

भाजपा-जदयू संबंधों में पहले जैसी गरमाहट नहीं

पटन, 2 सितंबरा. नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद बिहार की राजनीति में कई चीजें बदल रही हैं. भाजपा और जदयू के संबंधों में भी पहले जैसी गरमाहट नहीं है.

हालांकि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी अपनी तरफ से जदयू और नीतीश कुमार के साथ संबंधों को सद्भावपूर्ण बवाए रखने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं. फिर भी सब कुछ पहले जैसा नहीं है. इस बीच नीतीश कुमार की पार्टी के कम से कम चार सांसदों के नाराज होने की खबर है. बताया जा रहा है कि चार सांसद पार्टी के मौजूदा नेतृत्व मतलब संजय झा और ललन सिंह से नाराज हैं. इनमें कम से कम सांसद की नाराजगी पहले से चल रही है और उनके खिलाफ

जदयू ने स्पीकर के पास शिकायत भी की थी. गौरतलब है कि बांका के सांसद गिरधारी यादव पहले से पार्टी से नाराज हैं. उन्होंने पार्टी लाइन से हट कर संसद में भी बयान दिया था, जिसके बाद उनकी शिकायत स्पीकर से की गई थी.

देवेश कुमार को मिला कुर्बानी का इनाम

पटना, 2 सितंबर. बीजेपी के पूर्व एमएलसी देवेश कुमार को सोमवार को बिहार राज्य योजना बोर्ड का उपाध्यक्ष बना दिया गया. ये वही देवेश कुमार हैं जिन्होंने उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश का मंत्री पद बचाने के लिए विधान पार्षद के पद से इस्तीफा दे दिया था.

इस इस्तीफे के बाद सवर्ण समाज खासतौर पर देवेश कुमार के सजातीय भूमिहारों में बड़ी नाराजगी दिखी थी. अब बीजेपी ने देवेश कुमार को कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिलवा इसकी भरपाई करने की कोशिश की है.

देवेश कुमार ने पिछले महीने ही आरएलएम के दीपक प्रकाश के लिए अपनी एमएलसी की कुर्सी छोड़ दी थी. उनका मनोनयन राज्यपाल ने किया था. इसके बाद सोमवार को राज्य के योजना और विकास विभाग के एक बयान के अनुसार, देवेश कुमार को बिहार राज्य योजना बोर्ड के लिए नामित कर दिया गया. आपको बता दें कि इस पद को कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त है और उनका कार्यकाल नियुक्ति की तारीख से तीन साल या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो तक होगा.

देवेश कुमार ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और बोर्ड के प्रमुख और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का आभार जताया. पत्रकार से नेता बने देवेश कुमार, स्वतंत्रता सेनानी यमुना कार्जी के पोते हैं, जिन्हें प्रख्यात किसान नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती का दायां हाथ माना जाता था. देवेश कुमार (62) ने बिहार में भाजपा के प्रवक्ता, उपाध्यक्ष और महासचिव जैसे कई पदों पर सेवा दी है.

कार्यकाल 2027 तक था

वर्तमान में मिजोरम में भाजपा के प्रभारी देवेश कुमार को 2021 में बिहार के राज्यपाल ने राज्य विधान परिषद के लिए नामित किया था, और उनका कार्यकाल 2027 में खत्म होने वाला था . हालांकि, उन्होंने पिछले महीने इस्तीफा दे दिया और बताया था कि यह उनका अपनी मर्जी से लिया गया फैसला था . इस कदम से राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के बेटे और राज्य में मंत्री दीपक प्रकाश के लिए विधानमंडल का सदस्य चुने जाने का रास्ता साफ हो गया . जिनके मंत्री पद पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान खतरा आ गया था .

विशेष | बिहार पीपुल्स पार्टी प्रमुख के सामने नहीं बचा कोई विकल्प, अपने धुर विरोधी लालू की शरण में भी गए!

आनंद मोहन का जलवा नहीं रह सका कायम

पटना, 2 सितंबर. राजनीति में अर्श से फर्श पर पहुंचने के अनगिनत किस्से हैं. पर कुछ किस्से ऐसे हैं जो स्मरणीय बन जाते हैं. भले उस स्मरण में अप्रत्याशित उतार चढ़ाव देखना पड़ता है. ऐसे ही उद्भव और अवसान के मुहाने पर बिहार की राजनीति में कई ऐसी पार्टियां हैं, जो काफी उफान पर रहीं.

जनता ने सिर-आंख पर बिठाया और एक समय ऐसा आया जब उन पार्टी का कोई नामलेवा नहीं रहा. आज एक ऐसी ही पार्टी की कहानी बताने जा रहे हैं, जिसने लोकप्रियता का इतिहास रच डाला. और महज एक दो साल में ही अपनी पहचान भी खो डाली. क्या था उस पार्टी का नाम ? कौन थे उसके संस्थापक ? क्यों नेपथ्य में चली गई वह पार्टी, जो कभी राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की पार्टी के सामने यमदूत बन कर खड़ी रहती थी. यहां बात की जा रही है बिहार पीपुल्स पार्टी (बीपीपी) की. बिहार पीपुल्स पार्टी की स्थापना वर्ष 1993 में रॉबिन हुड के नाम से चर्चित बाहुबली नेता और जनता दल के पूर्व विधायक आनंद मोहन सिंह ने जनता दल से अलग होकर की थी. उस समय बिहार में लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व में पिछड़ी जातियों की राजनीति का उभार हो रहा था. इसके जवाब में आनंद मोहन ने अगड़ी जातियों (विशेषकर राजपूतों) और सवर्णों की गोलबंदी के लिए इस पार्टी का गठन किया था.

सवर्ण की राजनीति का सीधा लाभ- रॉबिन हुड कहे जाने वाले बीपीपी के नायक आनंद मोहन की सवर्ण राजनीति का जलवा कायम हो गया. युवाओं में तो गजब का जोश था. तब यह सीन देश दुनिया के लिए चर्चा का विषय बना गया था, जब राज्य के यूथ सड़कों पर उतरते थे तो उनके माथे पर यह पट्टी बंधी होती थी- मैं हूं आनंद मोहन, इस पट्टी का जबरदस्त क्रेज था. इस क्रेज का आलम यह था कि जब युवा सड़कों पर उतर जाते राजद सुप्रीमो लालू यादव के विरुद्ध अजब सा माहौल बन जाता था. इसका असर भी दिखा. जब वैशाली उपचुनाव 1994 में बीपीपी के नायक आनंद मोहन ने अपनी पत्नी लवली आनंद को वैशाली लोकसभा उपचुनाव में उतारा.

कहर बन गया जी . कृष्णैया हत्याकांड

आनंद मोहन बिहार की राजनीति में जो कुछ भी करना चाहते हो या उनका जो भी सपना था, उस पर जी . कृष्णैया हत्याकांड कहर की तरह बरपा . गोपालगंज के तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट जी . कृष्णैया की हत्या के मामले में आनंद मोहन का नाम क्या आया, उनके नेतृत्व को तीखे राजनीतिक व कानूनी संकट का सामना करना पड़ा . इस कानूनी संकट ने तो आनंद मोहन को परेशान किया ही, साथ ही इनकी छवि दलित-पीड़ित, पिछड़ा अतिपिछड़ा विरोधी की बन गई . नतीजतन जिस बीपीपी ने वैशाली में जीत का परचम लहराया, वह आगामी चुनाव में सम्मानजनक वोट भी न पा सकी .